[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..... आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper: 3441

A

Unique Paper Code

: 12307905 (New Course)

Name of the Paper

: SOCIOLOGY OF HEALTH

AND MEDICINE

Name of the Course

: BA (H)

Semester / Annual

· VI

सेमेस्टर / वार्षिक

Duration: 3 Hours

Maximum Marks: 75

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक: 75

## Instructions for Candidates

- 1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
- 2. Attempt any four questions.
- 3. All questions carry equal marks.
- 4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

## छात्रों के लिए निर्देश

- इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
- 2. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- 3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
- इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
- 1. Discuss the cultural meaning of symptoms and disorders.

लक्षणों और विकारों के सांस्कृतिक अर्थ की चर्चा कीजिए।

2. India's health policies of the last three decades have facilitated the privatisation of healthcare. Discuss.

पिछले तीन दशकों की भारत की स्वास्थ्य नीतियों ने स्वास्थ्य सेवा के निजीकरण को सुगम बनाया है। चर्चा कीजिए।

3. What are the critiques of the Dependency approach of the Political Economy of Health?

चिकित्सा मानवशास्त्रीय दृष्टिकोण से निर्भरता सिद्धांत की आलोचनात्मक जांच की गई है। चर्चा करें।

- Examine the nature of medical pluralism in India.
   भारत में चिकित्सक बहुलवाद की प्रकृति की विवेचना कीजिए।
- 5. Popular perceptions often impact the selection of medical therapies. Discuss with examples.
  लोकप्रिय धारणाएं अक्सर उपचारों के चयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती
  हैं। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।
- 6. Analyze the issues with the public health planning in India.

भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य योजना के मुद्दों का परीक्षण करें।

7. How has emerging feminist scholarship contributed to the discourse on the medicalization of women's bodies?

उभरती हुई नारीवादी विद्वता ने महिलाओं के शरीर के चिकित्साकरण पर प्रवचन में कैसे योगदान दिया है?